

शिक्षा महाकुंभ 2024 हेतु DHE का दो दिवसीय आवासीय अभ्यास वर्ग

DHE

डिपार्टमेंट ऑफ होलिस्टिक एजुकेशन (कम्भ) की नर्वि इस विचारधारा पर आधारित है कि शिक्षा अंको तक सीमित नहीं होनी चाहिए। विद्या भारती, जो विश्व की सबसे बड़ी शैक्षणिक पुनर्जीवो है, ने एक समर्पित थिंक टैंक विभाग की स्थापना की, जिसमें शिक्षा, समाज, विज्ञान, और अन्य विशेषज्ञ जैसे अधिवक्ता और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर शामिल हैं। डीएचई की अवधारणा 2021 में इसरो के वैज्ञानिक डॉ. ठाकुर एसकेआर ने शिक्षा और समाज सुधारक श्री विजय कुमार नड्डा, विद्या भारती - उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री के मार्गदर्शन में की थी, जिसे विद्या भारती पंजाब के तहत एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था। इसके अतिरिक्त विकास और शिक्षा में योगदान को मान्यता देते हुए, इसे विद्या भारती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च ट्रस्ट के तहत एक स्वतंत्र संगठन के रूप में ऊंचा किया गया। वर्तमान में, डीएचई इस ट्रस्ट के अधीन कार्य करता है। 25 समर्पित इकाइयों के साथ, डीएचई शिक्षा प्रणाली को बदलने के उद्देश्य से विभिन्न पहलें चलाता है। इनमें ई-साइकिल, पंजाब सुपर 100, ट्रेडुल, सर्वत्र, होलिस्टिक हार्बर, पूजावाला, तूडू, स्वदेशी बाजार, जॉब्स 360 जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। डीएचई ने प्राचीन भारत की परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए समाज के प्रत्येक प्रमुख मुद्दे के लिए कुम्भ/महाकुम्भ आयोजित करने की शुरुआत की है, जिसमें शिक्षा महाकुम्भ और शिक्षा कुम्भ जैसे वार्षिक बड़े आयोजन शामिल हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों और हितधारकों को आकर्षित करते हैं। इसके अलावा, डीएचई ने विकसित इंडिया और "विकसित भारत" नामक त्रैमासिक पत्रिकाओं की नर्वि रखी, जो शैक्षिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करती हैं। विभाग में 400 से अधिक पेशेवर शामिल हैं जो शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में निःशुल्क अपनी सेवाएं दे रहे हैं, इसके अलावा 4 पूर्णकालिक कर्मचारी और 20 स्नातक इंजीनियर प्रशिक्षु भी शामिल हैं।

शिक्षा महाकुंभ

यह सम्मेलन विश्व शिक्षा प्रणाली के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण विविध क्षेत्रों से योगदान आमंत्रित करता है। वैश्विक दृष्टिकोण के एकीकरण और नवोन्मेषी शिक्षण दृष्टिकोणों से लेकर तकनीकी प्रगति तक, सम्मेलन का उद्देश्य समावेशिता, गुणवत्ता सुनिश्चितता, शिक्षक प्रशिक्षण, और नीति समर्थन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहराई से विचार-विमर्श करना है। चर्चाएं सतत विकास लक्ष्यों को संबोधित करने में शिक्षा की भूमिका, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, और डिजिटल विभाजन को कम करने पर भी केंद्रित होती है। सम्मेलन एक समग्र दृष्टिकोण की कल्पना करता है, जो बहु-विषयक शिक्षा, नैतिक और सतत शिक्षा पद्धतियों, और लचीले शिक्षा मार्गों की वकालत करता है। इसका उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, और उद्योगपतियों के बीच सार्थक संवाद की सुविधा प्रदान करना है, जिसके अंतिम उद्देश्य के रूप में सम्मेलन के बाद एक कार्य योजना तैयार करना है, जो विश्व शिक्षा परिदृश्य पर ठोस प्रभाव डाल सके। यह सम्मेलन संपूर्ण समाज को केन्द्र में रख कर आयोजित किया जाता है।

आवासीय अभ्यास वर्ग दिनांक 7 एवं 8 सितम्बर, 2024

नमस्कार

जैसा कि हम सबको ज्ञात है और हम सब इस कार्य में लगे हुए हैं की अपना 4 -6 अक्टूबर 2024 तथानुसार (विक्रम संवत् 2081 फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि) को शिक्षा महाकुंभ का द्वितीय संस्करण होने जा रहा है उसकी तैयारी हेतु दो दिवसीय आवासीय अभ्यास वर्ग की योजना तय हुई है। अपेक्षित बंधुओं एवं भगिनी से आग्रह है कि कार्यक्रम की सफलता हेतु इस अभ्यास वर्ग में आने की योजना बना लें।



समय सारणी

दिनांक 7 सितम्बर 2024

आगमन प्रातः 11.00 बजे तक
जलपान एवं पंजीकरण 11.30 बजे तक
परिचय सत्र..... 11.30 बजे से 1.00 बजे तक
भोजन 1.00 बजे से 2.30 बजे तक
डीएचई परिचय सत्र
डॉ सुदेश जी द्वारा 2.30 बजे से 3.30 बजे तक
जलपान 3.30 बजे से 4.00 बजे तक
शिक्षा महाकुम्भ कार्यक्रम की योजना
माननीय विजय नाडा जी द्वारा 4.00 बजे से 6.00 बजे तक

दिनांक 8 सितम्बर 2024

सामूहिक सत्र प्रातः 9.00 बजे से 10.00 बजे तक
कार्यविभाग अनुसार बैठक 10.15 बजे से 11.15 बजे तक
जलपान..... 11.15 बजे से 11.45 बजे तक
समापन सत्र 11.45 बजे से 01.00 बजे तक
भोजन 1.00 बजे से 2.00 बजे तक

सम्पर्क सूत्र:

डॉ. शमशेर सिंह : संयोजक (DHE) शिक्षा महाकुंभ 2024 - 9463231250
डॉ. जतिंदर गर्ग : संयोजक (DHE) पंजाब प्रांत - +919501956000
डॉ. पूजा महाजन : सह संयोजिका (DHE) पंजाब प्रांत - +919465262383